SREE SANKARACHARYA UNIVERSITY OF SANSKRIT
Programme Outcomes (POs) for UG Programmes

PO 1 **Disciplinary Knowledge: Demonstrate comprehensive knowledge and understanding of one or more disciplines that form a part of an Under Graduate Programme of Study.**

PO 2 **Effective articulation: Comprehend complex information and texts and express thoughts and ideas effectively in writing and orally; communicate using appropriate media and present information in a lucid and concise manner to different groups; formulate coherent arguments to plan, execute and report the results of an investigation.**

PO 3 **Analytical reasoning : Evaluate the reliability and relevance of evidence; identify logical flaws in the arguments of others; analyse and synthesizes data from variety of sources, addressing opposing viewpoints; draw valid conclusions and support them with evidence and examples**

PO 4 **Research-oriented and general critical sprit of enquiry : Develop a sense of inquiry and capability to ask relevant/appropriate questions, problematize, synthesize and articulate; critically evaluate arguments, claims, beliefs, practices, policies and theories on the basis of empirical evidence; identify relevant assumptions; recognize cause-and –effect relationships, formulate hypothesis and test them, following a scientific approach to knowledge production.**

PO 5 **Multicultural Competence: Possess knowledge of the values and beliefs of multiple cultures including one's own and develop a global perspective; effectively engage in a multicultural society and interact tolerantly and respectfully with diverse groups.**

PO 6 **Independent, life-long learning and adaptability: Work independently with acquired knowledge and skills and to participate in self-placed learning activities throughout life aimed at personal development and for social well-being; adapt to changing trades and demands of work place through continuous knowledge and skill development.**

DEPARTMENT OF HINDI

GENERAL STRUCTURE OF THEPROGRAMME

Name of the Programme : BA Degree
Duration : 2 Years-4 Semesters
Year of Admission : 2020
Course : Additional Language- Hindi

Objective

To acquire general knowledge of Hindi Language and Literature by the students of BA Degree Programme. To acquire the skill to use Hindi Language in different walks of life of day to day life. To acquire the facilities for the advanced study of various trends and schools of Modern Hindi Literature laying emphasis on their long standing association and relationship with Sanskrit.

Scheme of Course and Examination

There will be4 courses and each course carrying 4credits. The system of evaluation will be a combination of internal and externalexamination.50 % of the credits will be for internal evaluation. Evaluation will be based on 7 points Grading System. There will be three components for internal assessment for each course as follows:-

A. Attendance
B. Assignments
C. Mid Semester Examination

Other things regarding the valuation will be as per the Regulations for BA Degree Programmes under Outcome Based Learning and Teaching.

Details of Courses offered by the Department of Hindi as Additional Language

Semester	Course Code	Course Name	No of Credits	No of contact hours
First		Poetry and Prose	4	90
Second		Translation and Communication	4	90
Third		Comparative Literature: Hindi and Malayalam	4	90
Fourth		Social issues & Hindi Literature	4	90

Programme Specific Outcomes (PSOs) for UG Programmes

PSO 1 **Understand the special issues and trends in the very special context of literature and culture.**

PSO 2 **Appreciation of different aspects and avenues of Literary and Cultural texts.**

PSO 3 **Acquire the basic language skills of a minimum of three languages including the global language; get sensitized on major contemporary social issues through representative works in these languages; critically respond and effectively articulate the same in writing and speech**

OBTLE Abbreviations

1. **Cognitive Process**

Remember (R)	स्मरण
Understand (U)	अभिज्ञता
Apply(A)	आरोपण
Analyse(An)	विश्लेषण
Evaluate (Ev)	मूल्यांकन
Create (Cr)	सृजन

2. **Knowledge Categories**
   - **Factual (F)**
   - **Conceptual (C)**
   - **Procedural (P)**
   - **Metacognative(M)**

सेमस्टर/SEMESTER I

Course Code:कविता एवं गद्य: POETRY AND PROSE

CO	Course Learning Outcome
CO 1	हिदी साहित्य के विकास का सामान्य परिचय प्राप्त करना ।
CO 2	हिदी साहित्य की प्रमुख विधओं का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
CO 3	हिदी कहान्यिों की भावात्मक एवं शिल्पपरक विशिष्टियों को समझना ।
CO4	हिंदी कविताओं में अभिव्यक्त भारतीयता की बहुस्वरता को समझना ।
CO 5	हिंदी कविताओं के शैल्पिक एवं कथ्यगत तत्वों का विश्लेषण करना।
CO 6	भारतीयता को व्याख्यायित एवं विश्लेषित करने में व्यंग्य की भूमिका को समझना
CO 7	साहित्य में प्रयुक्त व्यंग्य के विभिन्न रूपों का अध्ययन करना ।
CO 8	भारतीय जीवन की विविध आयामिता को रूपायित करने में साहित्य की भूमिका को निर्धारित करना ।

विस्तृत अध्ययन हेतु पाठ्यसामग्री

1. कबीर के दोहे (पाँच दोहे)
   - क. दुख में सुमरिन सब करे, सुख में करे न कोय । जो सुख में सुमरिन करे , दुख काहे को होय।।
   - ख. गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागू पाय । बलिहारी गुरुआपनो, गोविंद दियो बताय ।।
   - ग. कस्तूरी कुडंल बसे मृग ढूंढे बन माहि । ऐसे घट-घट राम है, दुनिया देखे नाहिं ।।
   - घ. पोथी पढि पढि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई अक्षर प्रेम का, पढे सो पंडित होय ।।
   - ड. निंदक नियारे राखिए, आंगन कुटि छबाय। बिन पानी,साबुन बिन,निर्मल करै सुभाय ।।
2. माँ कह एक कहानी-यशोधरा (कविता),मैथिली शरण गुप्त
3. हिरोशिमा (कविता),अज्ञेय
4. हंडा(कविता), नीलेश रघुवंशी
5. चीफ की दावत(कहानी), भीष्म साहनी
6. जीवन में साहित्य का स्थान(निबंध),प्रेमचंद
7. दहाड उठता था सिंह(एकांकी), अनिता भारती,हिंदी दलित एकांकी संचयन

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ शिवकुमार शर्मा-अशोक प्रकाशन
2. कबीर-संपादक विजेन्द्र स्नातक-राधाकृष्ण प्रकाशन
3. प्रेमचंद-संपादक सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन
4. अज्ञेय-संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-नैशनल पब्लिशिंग हाऊस

Course :कविता एवं गद्य: POETRY AND PROSE Credit : 4 Total 90 Hours

CO		PO	PSO	CL	KL	CLASS HRS	FIELD WORK
CO 1	हिदी साहित्य के विकास का सामान्य परिचय प्राप्त करना ।	PO 1 PO6	PSO 1	R,U	F	8	
CO 2	हिदी साहित्य की प्रमुख विधाओं का सामान्य परिचय प्राप्त करना।	PO 1 PO6	PSO 1	R,U	F	8	
CO 3	हिदी कहान्यिों की भावात्मक एवं शिल्पपरक विशिष्टियोंको समझना ।	PO 1 PO 2 PO 3 PO6	PSO 2 PSO 3	U, An	C	8	
CO4	हिंदी कविताओं में अभिव्यक्त भारतीयता की बहुस्वरता को समझना ।	PO 4	PSO 2 PSO 3	U, An	C	8	
CO 5	हिंदी कविताओं के शैल्पिक एवं कथ्यगत तत्वों का विश्लेषण करना।	PO 1 PO2 PO3 PO 6	PSO 2 PSO3	U, An	C	8	
CO 6	भारतीयता को व्याख्यायित एवं विश्लेषित करने में व्यंग्य की भूमिका को समझना	PO 2 PO4 PO6	PSO 1 PSO 3	U, An	C	8	
CO 7	साहित्य में प्रयुक्त व्यंग्य के विभिन्न रूपों का अध्ययन करना ।	PO 1 PO6	PSO 1	R,U	F	8	
CO 8	भारतीय जीवन की विविध आयामिता को रूपायित करने में साहित्य की भूमिका को निर्धारित करना ।	PO 2 PO4	PSO3	A, Ev	C	8	

सेमस्टर/**SEMESTER II**

Course Code: अनुवाद एवं संचार: **Translation and Communication**

CO	Course Learning Outcome
CO 1	अनुवाद की परिभाषा एवं उसके स्वरूप को समझना।
CO 2	अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न तत्वों की जानकारी प्राप्त करना ।
CO 3	अंग्रेज़ी एवं हिंदी की व्याकरणिक भाषिक संरचना के विभिन्न संदर्भो को निर्धारित करना ।
CO4	अनुवाद की तकनीकी संदर्भ को समझना तथा मशीनी अनुवाद पर विचार करना ।
CO 5	अनुवादक के गुणों का विश्लेषण करना तथा मशीनी अनुवाद पर विचार करना ।
CO 6	अनुवादक के गुणों का विश्लेषण करना तथा अनुवाद की सफलता पर विचार करना ।
CO 7	व्यावहारिक संदर्भ में अनुवाद का अभ्यास करना ।
CO 8	अनुवाद,मीडिया एवं संवाद के पारस्परिक संबंध का परिचय प्राप्त करना ।

यूनिट एक	अनुवाद की परिभाषा-प्रक्रिया-अनुवाद : कला या विज्ञान-समसामयिक संदर्भ में अनुवाद की भूमिका-अनुवाद संप्रेषण का माध्यम
यूनिट दो	समकालीन संदर्भ में अनुवाद का वर्गीकरण-साहित्य एवं साहित्येतर अनुवाद- आदर्श अनुवादक के गुण - अनुवाद की मुख्य समस्यायें - अनुवाद अभ्यास(अंग्रेज़ी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेज़ी)
यूनिट तीन	तकनीकी अनुवाद-पारिभाषिक शब्दावली- प्रशासन में प्रयुक्त शब्दों व वाक्यांशों का अनुवाद-विज्ञापन का अनुवाद
यूनिट चार	संचार- परिभाषा एवं स्वरूप-संचार के विभिन्न माध्यम -मास मीडिया -दृश्य माध्यम -

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. Translation Studies-SusanBasnett
3. TranslationTheories-Edwin Gentzler
4. अनुवाद कला-डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
5. अनुवाद एवं अनुदृष्टि - एस नागलक्ष्मी
6. प्रयेजनमूलक हिंदी- एस नागलक्ष्मी
7. मीडिया की खबर-अरविंद मोहन

Course :अनुवाद एवं संचार**: Translation and Communication**

Credit : 4 Total 90 Hours

CO		PO	PSO	CL	KL	CLASS HRS	FIELD WORK
CO 1	अनुवाद की परिभाषा एवं उसके स्वरूप को समझना।	PO1 PO6	PSO1	R,U	F	8	
CO 2	अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न तत्वों की जानकारी प्राप्त करना ।	PO2 PO6	PSO1 PSO3	U, An	C	8	
CO 3	अंग्रेज़ी एवं हिंदी की व्याकरणिक भाषिक संरचना के विभिन्न संदर्भो को निर्धारित करना ।	PO2 PO6	PSO3	U, An	C	8	
CO4	अनुवाद की तकनीकी संदर्भ को समझना तथा मशीनी अनुवाद पर विचार करना ।	PO2 PO5	PSO3	U	C	8	
CO 5	अनुवादक के गुणों का विश्लेषण करना तथा मशीनी अनुवाद पर विचार करना ।	PO1 PO6	PSO3	U	C	8	
CO 6	अनुवादक के गुणों का विश्लेषण करना तथा अनुवाद की सफलता पर विचार करना ।	PO1 PO2	PSO3	U	F	8	
CO 7	व्यावहारिक संदर्भ में अनुवाद का अभ्यास करना ।	PO2 PO6	PSO3	Ap	P	8	
CO 8	अनुवाद,मीडिया एवं संवाद के पारस्परिक संबंध का परिचय प्राप्त करना ।	PO1 PO2 PO4	PSO1	U, An	C	8	

सेमस्टर/SEMESTER III

Course Code:तुलनात्मक साहित्य: हिंदी और मलयालम

Comparative Literature : Hindi and Malayalam

Course Learning Outcome

CO

CO 1 हिंदी एवं मलयालम की साहित्यिक रचनाओं को तुलनात्मक संदर्भ में समझना ।

CO 2 हिंदी एवं मलयालम की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक,सांस्कृतिक जीवन का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करना ।

CO 3 हिंदी एवं मलयालम की कहानियों में चित्रित राजनैतिक, नैतिक संदर्भों को तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में समझना।

CO4 हिंदी एवं मलयालम की कविताओं में अभिव्यक्त बहुस्तरीय, बहुपक्षीय जीवन का अध्ययन करना ।

CO 5 हिंदी एवं मलयालम के रचनाकारों की सामाजिक प्रतिबद्धात्मक दृष्टि को विश्लेषणात्मक दृष्टि से समझना ।

CO 6 हिंदी एवं मलयालम के भाषिक प्रयोग के विभिन्न पहलुओं को समझना ।

CO 7 सौन्दर्यात्मक दृष्टि से हिंदी एवं मलयालम की रचनाओं का अध्ययन करना ।

CO 8 भारतीय जीवन को अभिव्यक्त करने में हिंदी एवं मलयालम की भूमिका को निर्धारित करना ।

यूनिट एक तुलनात्मक साहित्य की भूमिका -भारतीय संदर्भ में तुलनात्मक साहित्यिक इतिहास-हिंदी एवं मलयालम साहित्य के विशेष संदर्भ में तुलनात्मक साहित्य काविकास

यूनिट दो हिंदी और मलयालम के निर्धारित पाठ (प्रथम 40 %) का आस्वादन और उस पााठ में चित्रित समानताओं को समझना

यूनिट तीन हिंदी और मलयालम के निर्धारित पाठ (द्वितीय 40 %) का आस्वादन और उस पााठ में चित्रित समानताओं को समझना

यूनिट चार हिंदी और मलयालम के निर्धारित पाठ (अंतिम 40 %) का आस्वादन और उस पााठ में चित्रित समानताओं को समझना

विस्तृत अध्ययन हेतु पाठ्यसामग्री

1. बेलपत्र -(हिंदी कहानी),गीतांजली श्री
2. ईश्वर की पुकार (मलयालम कहानी दैवविळी का हिंदी अनुवाद)-सितारा
3. 1857,सामान की तलाश(कविता)-अज़दज़ैदी
4. कापाट(मलयालम कविता का हिंदी अनुवाद)-शिवदास पुरमेरी
5. नदी अक्षर(मलयालम कविता पुषअक्षरम का हिंदीअनुवाद) -आलंकोड लीला कृष्णन
6. यहाँ थी वह नदी- (हिंदी कविता)-मंगलेश डबराल
7. एक बूँद खून (मलयालम कविता ओरु तुळ्ळी रक्तम का हिंदी अनुवाद)- वयलार रामवर्मा
8. वह जन मरेन मारेगा(हिंदीकविता)केदारनाथअग्रवाल

संदर्भ ग्रंथ

1. तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य : राजमल बोरा,वाणी प्रकाशन

2. तुलनात्मक साहित्य: संपादक डॉ.नग्रेन्द्र -नैश्नल पब्लिशिंग हाउॅस

3. तुलनात्मक साहित्य परिचयम-चात्तनाट्ट अच्चुतनुळळी

Course :तुलनात्मक साहित्य: हिंदी और मलयालम

Comparative Literature : Hindi and Malayalam

Credit : 4 Total 90 Hours

O		PO	PSO	CL	KL	CLASS HRS	FIELD WORK
CO 1	हिंदी एवं मलयालम की साहित्यिक रचनाओं को तुलनात्मक संदर्भ में समझना ।	PO1 PO5	PSO2 PSO3	U	F	10	
CO 2	हिंदी एवं मलयालम की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक,सांस्कृतिक जीवन का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करना ।	PO2 PO5	PSO2 PSO3	U, Ap	C	10	
CO 3	हिंदी एवं मलयालम की कहानियों में चित्रित राजनैतिक,नैतिक संदर्भों को तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में समझना।	PO2 PO5	PSO2 PSO3	U,Ap	C	10	
CO4	हिंदी एवं मलयालम की कविताओं में अभिव्यक्त बहुस्तरीय, बहुपक्षीय जीवन का अध्ययन करना ।	PO1 PO2 PO5	PSO2 PSO3	U	F	10	
CO 5	हिंदी एवं मलयालम के रचनाकारों की सामाजिक प्रतिबद्धात्मक दृष्टि को विश्लेषणात्मक दृष्टि से समझना ।	PO1 PO2 PO3 PO4	PSO1 PSO2 PSO3	U, An	C	10	
CO 6	हिंदी एवं मलयालम के भाषिक प्रयोग के विभिन्न पहलुओं को समझना ।	PO2 PO6	PSO3	U	F	10	
CO 7	सौन्दर्यात्मक दृष्टि से हिंदी एवं मलयालम की रचनाओं का अध्ययन करना ।	PO2 PO4	PSO2 PSO3	U	C	10	
CO 8	भारतीय जीवन को अभिव्यक्त करने में हिंदी एवं मलयालम की भूमिका को निर्धारित करना ।	PO2 PO3 PO5	PSO1 PSO2	An	C	10	

सेमस्टर/**SEMESTER IV**

Course Code: सामाजिक मुद्दे एवं हिंदी साहित्य

Social issues and HindiLiterature

Course Learning Outcome

CO

CO 1 भारत के सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों को समझना ।

CO 2 हिंदी की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक सांस्कृतिक जीवन को समझना ।

CO 3 हिंदी साहित्य में अंन्तर्लीन भारतीय मूल्यों की जानकारी प्राप्त करना ।

CO4 हिंदी भाषा की प्राचीन मध्यकालीन रचनाओं के माध्यम से भाषा के आरंभिक स्वरूप को पहचानना ।

CO 5 मानव एवं मानवीयता के विकास में साहित्याध्ययन के महत्व को निर्धारित करना

CO 6 हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं के कलात्मक एवं सौन्दर्यात्मक परिप्रेक्ष्य को समझना ।

CO 7 हिंदी भाषा की विभिन्न विधाओं एवं रचनाओं का आस्वादन करना ।

CO 8 हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास में काल एवं समय की भूमिका को निर्धारित करना ।

यूनिट एक हिंदी के निर्धारित पाठ (प्रथम 30 %) का आस्वादन और सामाजिक समस्याओं,साहित्य के वर्तमान प्रवृत्तियों एवं साहित्य एवं समाज के पारस्परिक संबंध को समझना ।

यूनिट दो हिंदी के निर्धारित पाठ (द्वितीय 30 %) का आस्वादन और सामाजिक समस्याओं,साहित्य की वर्तमान प्रवृत्तियों एवं साहित्य एवं समाज के पारस्परिक संबंध को समझना ।

यूनिट तीन हिंदी के निर्धारित पाठ (प्रथम 20 %) का आस्वादन और सामाजिक समस्याओं,साहित्य की वर्तमान प्रवृत्तियों एवं साहित्य एवं समाज के पारस्परिक संबंध को समझना ।

यूनिट चार हिंदी के निर्धारित पाठ (प्रथम 20 %) का आस्वादन और सामाजिक समस्याओं,साहित्य के वर्तमान प्रवृत्तियों एवं साहित्य एवं समाज के पारस्परिक संबंध को समझना ।

विस्तृत अध्ययन हेतु पाठ्यसामग्री

1. पूसकी रात -(हिंदी कहानी)-प्रेमचंद
2. हमज़मीन (हिंदी कहानी)-अवधेश प्रीतम
3. सलाम(हिंदी कहानी)-ओमप्रकाश वात्मीकी
4. दुनिया एक पेड की तरह उगी है(हिंदी कविता)-झानेन्द्रपति
5. सुगिया(हिंदी कविता) -निर्मला पुतुल
6. व्यंग्य मत बोलो - (हिंदी कविता)-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
7. सदाचार का तावीज़ (व्यंग्य)- हरिशंकर परसाई

संदर्भ ग्रंथ

1. विकल्पहीन नहीं है दुनिया : किशन पटनायक

2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकी

3. बीच बहस में सेक्युलरवाद : अभयकुमार दुबे

4. समकालीन हिंदी कहानी : संपादक एन मोहन

5. भूमंडलीकरण की चुनौतियाँ : सच्चिदानंद सिंहा

6. उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान

7. स्त्री परंपरा और आधुनिकता : संपादक राज किशोर

Course :सामाजिक मुद्दे एवं हिंदी साहित्य**Social issues and Hindi Literature**

Credit : 4 Total 90 Hours

CO		PO	PSO	CL	KL	CLASS HRS	FIELD WORK
CO 1	भारत के सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों को समझना ।	PO1 PO6	PSO1	U	F	10	
CO 2	हिंदी की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक सांस्कृतिक जीवन को समझना ।	PO1 PO2	PSO1 PSO2	U	C	10	
CO 3	हिंदी साहित्य में अंन्तर्लीन भारतीय मूल्यों की जानकारी प्राप्त करना ।	PO1 PO2 PO6	PSO1 PSO2	U, An	C	10	
CO4	हिंदी भाषा की प्राचीन मध्यकालीन रचनाओं के माध्यम से भाषा के आरंभिक स्वरूप को पहचानना ।	PO1 PO2	PSO1	R,U	F	10	
CO 5	मानव एवं मानवीयता के विकास में साहित्याध्ययन के महत्व को निर्धारित करना	PO2 PO6	PSO2 PSO3	U, An	C	10	
CO 6	हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं के कलात्मक एवं सौन्दर्यात्मक परिप्रेक्ष्य को समझना ।	PO1 PO2	PSO2 PSO3	U	C	10	
CO 7	हिंदी भाषा की विभिन्न विधाओं एवं रचनाओं का आस्वादन करना ।	PO1 PO2 PO3	PSO2 PSO3	U,An	C	10	
CO 8	हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास में काल एवं समय की भूमिका को निर्धारित करना ।	PO4 PO6	PSO2 PSO3	Ap	C	10	

THIRD SEMESTER B A DEGREE EXAMINATION,
UHNS 313 TULANATMAK SAHITYA : HINDI AUR MALAYALAM

Time : Three Hours Maximum Marks : 80

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए (10x1=10)

1. 'दैवांवोले' नामक मलयालम कहानी हिन्दी में किस नाम से अनूदित है ?
(ईश्वरकोरुदन, ईश्वरकोबुलावा, ईश्वरवाणी , ईश्वरकोपुकार)
2.इनमें से शिवदास पुरमेरी की कविता का चयन कीजिए ।
(यहाँथोवहनदी, नदीअक्षर, कापाट,एकबूंदखून)
3.'घरकारास्ता' किसकी कविता है ?
(मंगलेशडबराल, गीताजलेश्री , केदारनाथसिंह, असदजैदी)
4.'1857: सामान कीतलाश' किसकी रचना है ?
(मंगलेशडबराल, गीताजलेश्री , असदजैदी, केदारनाथसिंह)
5.'सीता 'का असली नाम क्या है ?
(सितारा, गीताजलेश्री , षली, शन्नो)
6. comparative literature का समानार्थी हिंदी शब्द क्या है ?
(तुलनात्मक भाषा, तुलनात्मकसाहित्य, तुलनात्मकअनुवाद, तुलनात्मकव्याकरण)
7.'पंख और पतवार' किसकी रचना है ?
(मंगलेशडबराल, केदारनाथसिंह, असदजैदी, गीताजलेश्री)
8. तुलनात्मक साहित्य का आरंभ कहां हुआ ?
(फ्रांस , इंग्लैंड, अमेरिका, भारत)
9.तुलनात्मक साहित्य के प्रमुख प्रवतेक के रूप में किसे मानते हैं ?
(मैथ्यूअनोल्ड, अरस्तु ,माक्से, प्लेटो)
10. 'हारे' किस रचना का पात्र है ?
(बेलपत्र , .काप्पाट,ईश्वरकोपुकार, इड़म)

II. किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दो- दो शब्दों या वाक्यों में लिखिए। (8x2=16)

1. तुलनात्मक साहित्य से क्या तात्पर्य है ?
2. 'गोबर' में पांव पड़ने से फातिमा को प्राप्त क्रिया क्या थी ?
3. 'सीता 'नाम षली के मन में पैठ नहीं पाया क्यों ?
4. 1857 की लड़ाई कौन सी थी ?
5. 'वह जन मारे नहीं मरेगा' का मुख्य स्वर क्या है ?
6. षली की सास उससे कैसा व्यवहार करती है ?

7. ‘नदी अक्ष’ कविता का आधार क्या है ?
8. जगदीश ने फातिमा को समाज का परिचय कैसे दिया ?
9. ‘एक बूंद खून’ कविता का मुख्य विषय क्या है ?
10. 10. ‘वहां थी वह नदी’ कविता मेंनदीकोकैसेचित्रितकियागयाहै ?
11. ‘1857: सामानकीतलाश’ में आखिल भारतीय भद्रलोक को किस प्रकार चित्रित किया गया है ?
12. ‘काप्पाट’में कवि ने गुलामी के पहले निशान का आगमन किस प्रकार चित्रित किया है ?

III. किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (6x4=24)

1. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में आनेवाली समस्याये क्या –क्या हैं ?
2. साम्प्रदायिकता के परिप्रेक्ष्य में ‘बेलपत्र’ कहानी की आलोचना कीजिए।
3. ‘काप्पाट’ कविता में व्यक्त विषय पर प्रकाश डालिए।
4. पहली डाक्टर से अधिक ईसा पर विश्वास करती है स्पष्ट कीजिए।
5. तुलनात्मक साहित्य की प्रासंगिकता क्या है ?
6. ’एक बूंद खून’क विता समाज को किस प्रकार प्रेरणादायक है ?
7. पारिस्थितिक सकट के आधार पर 'यहाँ थी वह नदी' की चर्चा कीजिए।
8. ‘नदीअक्ष’ में नदी को कैसे चित्रित किया है ?
9. उपनिवेश के आधार पर ‘1857 सामान की तलाश’ को परखिए।

IV. किन्हीं दो प्रश्नों पर निबंध लिखिए। (2x15=30)

1. ’ईश्वर की पुकार’ और ‘बेलपत्र’ में साम्प्रदायिक कसक को कैसे चित्रित किया गया है तुलना कीजिए।
2. ‘काप्पाट’ और ‘1857 : सामान की तलाश’ की तुलना कीजिए।
3. 'नदी अक्ष ' और ' यहाँ थी वह नदी 'की तुलना कीजिए।
4. ‘तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य में ‘ एक आलेख प्रस्तुत कीजिए।